Q**P Code:**D143970	**Total Pages:** 1	**Name:**
		Register No.

FOURTH SEMESTER (CUFYUGP) DEGREE EXAMINATION, APRIL 2026

HINDI

HIN4FV110(3) Hindi Sahitya Meim Manavikata ka Samanwaya (Harmony of Humanity in Hindi Literature)

2024 Admission onwards

Maximum Time :1.5 **Hours** | **Maximum Marks :50**

खंड क

सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का 2 अंक है। अधिकतम 16 **अंक मिल सकते हैं।**

1	सूरदास का परिचय दीजिए ।
2	वृंदावन दास जी धन संचय के बारे में क्या कहते हैं ?
3	"रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय । टूटे से फिर न मिले, मिले गांठ परिजाय ।" व्याख्या कीजिए ।
4	कबीरदास सच और झूठ का परिचय कैसे देते हैं ?
5	मीठे वचन के बारे में तुलसीदास की क्या राय है ?
6	नन्ही पीढी सहमकर अचानक कवयित्री से क्यों लिपट जाती है ?
7	'दो कलाकार' कहानी का मूल संदेश क्या है ?
8	'नर हो न निराश करो मन को' कविता का भाव क्या है ?
9	व्याख्या कीजिए – "सेवा का कर्म सबसे बड़ा यहां मानव – धर्म"
10	'स्त्री और पुरुष' कहानी का मुख्य विषय क्या है ?

खंड ख

सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का अंक 6 **है। अधिकतम 24 अंक मिल सकते हैं।**

11	"सच्चा कलाकार वह है जो जीवन में रंग भरता है न कि केवल कागज पर" । 'दो कलाकार' कहानी के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
12	'नदी पहाड़ और बाजार' कविता में किन-किन परिवर्तनों का चित्रण किया गया है? स्पष्ट कीजिए।
13	कवि ने किताबों को 'रीढ की हड्डी' क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए ।
14	'मुझे प्रेम चाहिए' कविता में प्रयुक्त प्राकृतिक प्रतीकों का विश्लेषण कीजिए ।
15	'स्त्री और पुरुष' कहानी की प्रासंगिकता व्यक्त कीजिए ।

खंड ग

किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न का 10 अंक है ।

16	'हमें उजाला करना है' कविता की समीक्षा कीजिए ।
17	"सच्चा आनंद त्याग और बांटने में है बटोरने में नहीं" । 'आनंद की फुलझडियां निबंध के आधार पर विचार कीजिए ।